समेकित देखरेख और उपयुक्त व्यावसायिक प्रशिक्षण से वे सार्थक जीवन जी सकते हैं।

देखरेख के कौन-कौन से विभिन्न दृष्टिकोण हैं ?

- तंत्रिकागत विकासपरक उपचार – गामक (मोटर) प्रकार्यों का विकास करने पर ध्यान दिया जाता है।
- संवेदी एकीकरण – वेस्टीब्यूलर, स्पर्शीय एवं प्रोप्रायोसेप्टिव संवेदियों पर ध्यान दिया जाता है।
- बायोमेकेनिकल दृष्टिकोण – संयुक्त प्रकार्यों का विकास करने पर ध्यान दिया जाता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हस्तक्षेप में स्वयं – सहायता, गामक (मोटर), ज्ञान, भाषा और समाजीकरण पर ध्यान दिया जाता है।
- व्यवस्थित शिक्षण – कार्यक्रमों और कार्य प्रणाली के क्रियान्वित देने पर ध्यान दिया जाता है।
- वाणीसुधार – उच्चारण संबंधी समस्याओं को ठीक करने पर ध्यान दिया जाता है।
- संवर्धी और वैकल्पिक सम्प्रेषण – चिह्नों को सम्प्रेषण के तरीके के रूप में इस्तेमाल करने पर ध्यान दिया जाता है।
- मेडिकल – संबद्ध समस्याओं को कम / नियंत्रित करने पर ध्यान दिया जाता है।
- सर्जिकल – विरूपता ठीक करने पर ध्यान दिया जाता है।
- व्यवहारगत परिशोधन प्रतिकूल आचरणों में सुधार लाने और कौशलों का उन्नयन करने पर ध्यान दिया जाता है।

NIEPMD में क्या –क्या सुविधाएँ उपलब्ध हैं?

- चिकित्सीय सेवाएँ
- फिजियोथेरेपी
- आक्युपेशनल थेरेपी
- स्पीच थेरेपी
- प्रारंभिक हस्तक्षेप
- विशेष शिक्षा
- मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप
- व्यावसायिक प्रशिक्षण
- आर्थोटिक सेवाएँ

स्मरणीय संदेश:

आरंभिक अवस्था में ही पहचान और पुनर्वास करने से नि:शक्तता का असर कम होगा, द्वितीयक विरुपताओं की रोकथाम की जा सकेगी और सार्थक जिन्दगी जीने में उनकी मदद की जा सकेगी।

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान

(नि:शक्त कार्य विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities

(Department of Disability Affairs, Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India)

SCAN QR CODE TO DOWNLOAD BROCHURE

NIEPMD

सत्यमेव जयते

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के बारे में जानें

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान

(एन.आई.ई.पी.एम.डी.)

दिव्यांगजन सराक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

ईस्टकोस्ट रोड, मुत्थुकाडु, कोवलम (पोस्ट)

चेन्नई– 603112, तमिलनाडु

फोन : 044-27472113, 27472423, 27472104

फैक्स : 044-27472389

वेबसाइट :www.niepmd.tn.nic.in ई.मेल :niepmd@gmail.com

कार्य अवधि : सोमवार से शुक्रवार

(सुबह 9.00से -शाम5.30 बजे)

अवकाश : शनिवार, रविवार और केन्द्र सरकार की सभी छुट्टियाँ

बहुविकलांग लोगों के सुलभ उपयोग हेतु वेबसाइट तैयार करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2011) और बहुविकलांग लोगों हेतु बाधारहित भवन बनाने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2012) प्राप्त संस्था।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात क्या है ?

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात जन्म के दौरान या जन्म के तुरंत बाद गर्भावस्था में ब्रेन में गैर प्रगतिशील क्षति होने की वजह से गामक (Motor) खराबी द्वारा अभिलक्षितस्थितियों के समूह के लिए सामान्य तौर पर लिया जाने वाले नाम है।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की क्या व्यापकता दर है ?

यह अनुमान लगाया जाता है कि इसकी विश्वव्यापी व्यापकता 2 से 2.5 प्रति 1000 जन्म सप्राण है।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात किन कारणों की वजह से होता है ?

सबसे सामान्य कारण निम्न हैं

- ✧ सगोली विवाह
- ✧ समय-पूर्व जन्मा शिशु
- ✧ मस्तिष्क में आक्सीजन की कमी
- ✧ जन्म के दौरान अभिघात
- ✧ अंर्तकपालीय रक्तस्राव
- ✧ रक्त में शर्करा का स्तर कम होना
- ✧ वाइरल और अन्य संक्रमण
- ✧ मस्तिष्क ज्वर

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात कितने प्रकार का होता है?

शरीर के प्रभावित भाग के आधार पर:

- ट्रेटाप्लेजिक / क्वाड्रिप्लेजिक – सभी अंगों का प्रभावित होना – पैरों की तुलना में हाथ अधिक प्रभावित होते हैं।
- ✧ डायप्लेजिक – बाहों का पैरों की तुलना में कम प्रभावित होना।
- ✧ हेमीप्लेजिक – शरीर के एक तरफ के अंग प्रभावित होते हैं।
- ✧ मोनोप्लेजिक – केवल एक अंग प्रभावित होता है।

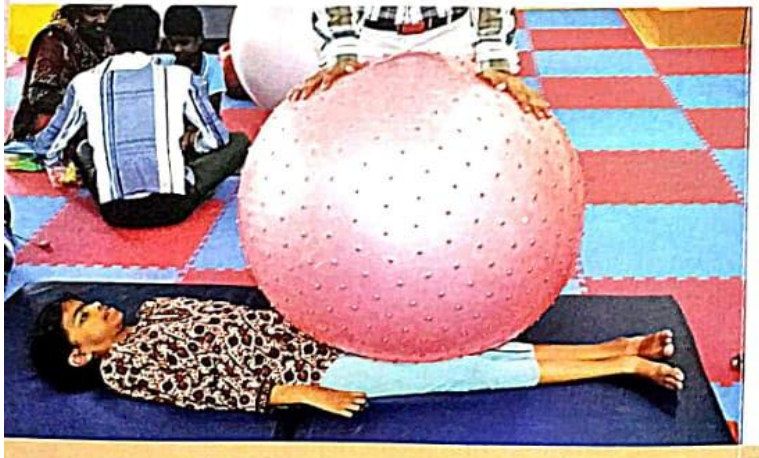

तांत्रिका तंत्रगत प्रकटन के आधार पर:

Classification by Number of Limbs Involved

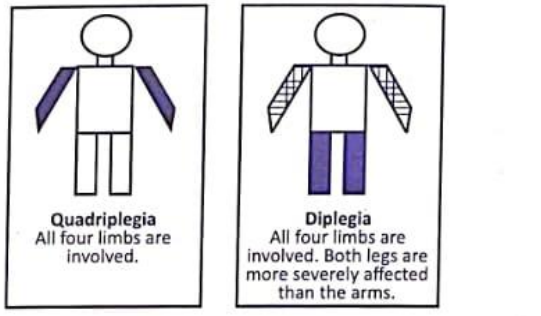

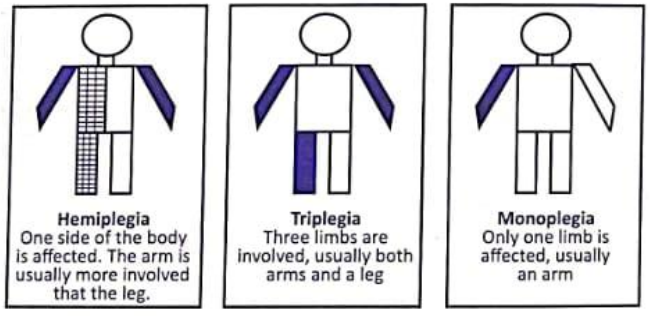

- ✧ स्पैस्टिक – बढ़ा हुआ मसल टोन का मौजूद होना।
- ✧ एथेटॉयड – अनैच्छिक संचलनों का मौजूद होना।
- ✧ एटेक्सिक – असामान्य वाईड बेस असंतुलित चाल।
- ✧ मिश्रित – उपर्युक्त में से कोई भी या सभी विशेषताएँ मौजूद होती हैं।

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से कौन-कौन सी अन्य समस्याएँ जुड़ी होती हैं ?

- ✧ संवेदी शून्यता
- ✧ अवबोधन समस्याएँ
- ✧ मिर्गी
- ✧ विशिष्ट उच्च आवृत्ति की श्रवणहीनता
- ✧ भावनात्मक समस्याएँ
- ✧ उच्चारणपरक वाक कठिनाइयाँ
- ✧ मानसिक मंदता।

हमें यह कब समझ लेना चाहिए कि बच्चे को प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात है।

- ✧ एक महीने के भीतर आँखों द्वारा ट्रैक करने की क्षमता का नहीं दिखना
- ✧ 3-5 महीनों के भीतर गर्दन पर नियंत्रण न रख पाना
- ✧ बढ़ा घटा हुआ मांसपेशी टोन
- ✧ अनैच्छिक संचलन
- ✧ टेढ़ा-मेढ़ा / वाइज वेस्ड चाल से चलना
- ✧ लार टपकना
- ✧ स्वैच्छिक संचलनों में विलम्ब होना
- ✧ आँखों के मूवमेंट का निर्बल होना

उपर्युक्त में से कोई एक या अधिक लक्षण मौजूद हो तो हम प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात होने की संदेह कर सकते हैं।

इसकी पुष्टि कैसे करें ?

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की पुष्टि करने के लिए एक व्यावसायिकोंकी टीम, जो मनोचिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, आक्युपेशनल थेरेपिस्ट, स्पीच लैंग्वेज पैथोलोजिस्ट, विशेष शिक्षकों और मनोवैज्ञानिकों से बनी हो, द्वारा समेकित आकलन किया जाता है।

बच्चे को किस सर्वश्रेष्ठ सीमा तक ठीक किया जा सकता है ?

उपर्युक्त साधनों और अनुकूलित उपकरणों के साथ व्यावसाहिकों द्वारा की गई